

بنو إسرائيل واليهود والذين هادوا (دراسة تحليلية)

كلية الشريعة والدراسات الإسلامية

الخلاصة

قسم الباحث البحث إلى ثلاثة فصول: تحديث في الفصل الأول عن بني إسرائيل من خلال نص التنزيل، وذلك بتعرف كلمة إسرائيل، وعلى من أطلق، وأن الخطاب القرآني بـ(يا بني إسرائيل) يأتي بصيغة المدح والذم، وفي الفصل الثاني عرف الباحث مصطلح اليهود، وبين أن اليهودية دين جديد محرف ولد في بابل، وكانت مزيجاً من تعاليم موسى - عليه السلام - وعقائد الوثنية البابلية، وأن الخطاب القرآن عنهم يأتي في معرض الذم، وفي الفصل الثالث تحدث عن الذين هادوا وهم بنو إسرائيل الذين كانوا في فلسطين ولم يسبوا في سبي بابل، ثم تهودوا على يد عزرا، و الخطاب القرآن عنهم يأتي في معرض الذم.

ABSTRACT

This study is divided into three chapters. The first chapter discusses the children of Isra'el through Qur'anic verses which define the term 'children of Isra'el' and to whom it refers either with praise or slander. The second chapter discusses the term 'Jew', maintaining that Judaism was a new and corrupt religion born in Babylon and a mix of the teachings of Moses (PBUH) and pagan beliefs found in Babylon. It also points out that the Qur'an refers to them in a derogatory fashion. The third chapter discusses the bani Isra'el (tribe of Isra'el) who were not captured by the Babylonians and stayed in Palestine, pointing out how they became Jews by Azra and that the Qur'an speaks ill favorably of them.

:

:

عبد

()

:

:

:

:

(1)

:

:

:

"

:

:

أحمد معاد علوان حقي (١ - ٤٤)

:

« » : (2) "

(3)

()

(5)

()

(4)

" :

() () () ()

...

: : : : :
(6) : :

(7)"

(8)"

" :

العلامة

:

العلامة

"

العلامة

العلامة

(9)"

()

" : (10) " :
(11) "

الكلية (/ :)
" : (/)
:

"

:
الكلية :
الكلية :
) :

(12) () :
الكلية : (:
الكلية : (13) "

الكلية

(14)

() :

(15) "

التعليق
التعليق
(16) ()

التعليق

:

() :

() :

:

﴿

﴿ [:] ﴾

:] ﴾

[

﴿

﴿ [:] ﴾

﴿ [:] ﴾

[:] ﴾

﴿

﴿

﴿ [:] ﴾

:] ﴾

[الكليلا]

:] ﴿

[

﴿ الكليلا

[:] ﴿

. [:] ﴿

() :

﴿ الكليلا .

﴿ .

. [:] ﴿

﴿ الكليلا

﴿

﴿ [:] ﴿

. [:] ﴿

﴿ الكليلا

﴿ عجل

﴿

. [:] ﴿

﴿...﴾ () :
:
: ﴿...﴾ [:]
[:] .
﴿...﴾ :
﴿...﴾ [:] "
: ﴿...﴾ :
" (17) "
﴿...﴾ [:] "
﴿...﴾
....
" (18) "
" [:] ﴿...﴾

أحمد معاد علوان حفي (١ - ٤٤)

:

» (19)

() [:] ﴿ ﴾

» (20)

»

﴿ : (21) »

﴿ [:] ﴾ . [:] ﴿

:

﴿

﴿

» (22)

: ﴿

عَلَيْكُمْ

:

:

:

(23)

:

[:] ﴿ : ﴾

:

:

: ... ﴿ : ﴾ :

(25)

(24)

﴿ : ﴾

:

:

﴿ : ﴾
(26)»

: « : » :

. [:] ﴿ ﴾

﴿

(28)

:

(27)

":

:

(30)»

(29) ﴿﴾

: " :
:
: ﴿ :
: [:] ﴿
: [:] ﴿
(31)»

"
(32) " () ()

:
:
:
:
: ﴿ :
:] ﴿
! ﷺ : ﷺ [ﷺ
: ﷺ ﷺ
: ﴿ ...] ﴿
: ﷺ " : (33) [ﷺ
ﷺ ﷺ
ﷺ

(34)»

[:] ﴿

[:] ﴿

!!

:

﴿ : ﴿

(35)

!!

: " :

:

[:] ﴿

:

:

:

:

"(36)

﴿

":

:

(/ :) : (/ :)

(:) :
:

(

"(37)

[:]

»

[:]

:

"

⋮

ﷺ

"(38)

:

»

:

[:]

ﷺ

»

:

[:]

: [:] " (39)

:
: [:]

. [:]

الكلمة

»

. [:]

»

[:]

»

. [:]

: الكلمة

الكلمة

[:]

»

»

الكلمة [:]

الكلمة

[:]

[:] ﴿

] ﴿ [:] ﴿

[:] ﴿

[:] ﴿

﴿ [:] ﴿ " [:] ﴿

.. ﴿ (40) ﴿

﴿ (41) ﴿

.[:] ﴿

﴿ : ﴿

[:] ﴿

[:] ﴿

﴿ [:] ﴿

[:] ﴿

﴿ [:] ﴿

[:] ﴿

﴿ [:] ﴿

﴿ [:] ﴿

﴿ [:] ﴿

﴿ :] ﴿

﴿ [

﴿ [: ﴿ (42)

:

: :

:

﴿ :

﴿ [:] ﴿

﴿ (43) "

﴿ :

﴿ [:] ﴿

﴿ :

﴿ (44) "

﴿

﴿ [: ﴿ : ﴿

﴿

﴿ () .

: :

﴿ [:] ﴿ :

أحمد معاد علوان حقي (١ - ٤٤)

.

:

:

.

:

:

:

()

" :

() ()

()

(45)»

.() () ()

()

()

()

()

()

(46)»

: " : ()

...

(47)»

:

العلية

العلية



[:]

:

العلية

العلية

:

" (48)

...

أحمد معاد علوان حقي (١ - ٤٤)

...
" (49)

":

التعليق

"(50)

التعليق

":

":

"(51)

...

:

...
" (52)

(53)

" :
(54) "

"

" (55) "

:

:

(56) "

" :

(57) "

"

(58) "

" :
العلية :

[]

(59) "

أحمد معاد علوان حقي (١ - ٤٤)

العلامة

وتسجيل

. [:] ﴿

﴿ : العلامة

" :

()

[/]

(. -)
()

()

.(60)١١

:

(61) :

(62)

!

﴿

[:] ﴿

" :

(63)

..

..

«(64)»

(65)

(66)

﴿

" (67)

(68) "

"(69)

العلامة

العلامة :

[:]

العلامة

:

:

"

"(70)

:

"

"(71)

:"

"(73)

...

"(72)"

"

" (74) الكلب

" الكلب

" (75)

"

:

(76) ()

"

"

"(77)"

"

"(78)"

"(79)"

()

:

الكلب

!

() () ()

(80)

()

أحمد معاد علوان حقي (١ - ٤٤)

:

(81)

:

()

":

()

() () (82) .

:"
(83)

مجلة جامعة الشارقة للعلوم الشرعية والإنسانية المجلد ٣، العدد ١

محرم ١٤٢٧هـ، فبراير ٢٠٠٦م

" :

" (84)

"

"(85)

" ()

"(86)

!

"

!

﴿ :

﴿ (87) [:] ﴿

":

﴿ (88) "

﴿ ﴿

": ()

...
... ()

...

...
()

()

﴿

...
﴿ (89) !!

" : ﷺ [:] ﴿

ﷺ

:" : (90) ﴿
" (91) "

"

(92)" ()

:

:

:

:

:

:

(93)

"

[:] ﴿

:" :
(94)"

(95)"

﴿

﴿

:"

[:] ﴿

:" :
(96)"

أحمد معاد علوان حقي (١ - ٤٤)

:

() :

﴿ :

﴿ [:] ﴿

[:] ﴿

(97)

﴿ :

[:] ﴿
﴿

(98)

()

﴿

﴿ [:] ﴿

﴿

﴿ (99)

﴿

[:] ﴿

()

﴿

مجلة جامعة الشارقة للعلوم الشرعية والإنسانية المجلد ٣، العدد ١

محرم ١٤٢٧هـ، فبراير ٢٠٠٦م

[:] ﴿

()

﴿ [:] ﴿

﴿ [:] ﴿

. [:] ﴿

()

. [:] ﴿

:

﴿

:

أحمد معاد علوان حقي (١ - ٤٤)

..

"

..

...

"(100)

(101)

:"

"(102)

مجلة جامعة الشارقة للعلوم الشرعية والإنسانية المجلد ٣، العدد ١

محرم ١٤٢٧هـ، فبراير ٢٠٠٦م

(103) " :

" (104) "

" ((105) "

:

(106)

الطبيخ

(107)

:

:

()
(108)

(109)

﴿

﴾

[] ﴿

﴾ :

: [] ﴿

﴾ [

﴾ [:] ﴿

﴿ [:] ﴿

[:] ﴿

:

:

العلوان

:

() .()

العلوان .

()

:

:

(111)

العلوان

()

العلوان

"

"(112)

()

() () ()

(113)

:

التعليق

()

التعليق

()

التعليق

التعليق

التعليق

.....	الخطبة	
.....	:	
	الخطبة	
	الخطبة	
.....	
.....	()
..... ()	
..... : ()	()
..... : : ()	()
..... : : : ()	()
..... : : : ()	()
..... : ()	()
..... () -	()
..... / : () ()	()
..... / : ()	()
..... : ()	()
..... : : ()	()
..... : : : ()	()
..... : : : ()	()
..... () / : ()	()
..... : ()	()
..... : : : ()	()
..... : : ()	()
..... : ()	()
..... : : ()	()

١	()
٢	()
٣	()
٤	()
٥	()
٦	()
٧	()
٨	()
٩	()
١٠	()
١١	()
١٢	()
١٣	()
١٤	()
١٥	()
١٦	()
١٧	()
١٨	()
١٩	()
٢٠	()
٢١	()
٢٢	()
٢٣	()
٢٤	()
٢٥	()
٢٦	()
٢٧	()
٢٨	()
٢٩	()
٣٠	()
٣١	()
٣٢	()
٣٣	()
٣٤	()
٣٥	()
٣٦	()
٣٧	()
٣٨	()
٣٩	()
٤٠	()
٤١	()
٤٢	()
٤٣	()
٤٤	()

أحمد معاد علوان حقي (١ - ٤٤)

مجلة جامعة الشارقة للعلوم الشرعية والإنسانية المجلد ٣، العدد ١

محرم ١٤٢٧هـ، فبراير ٢٠٠٦م